मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–134

कला स्नातक (सामान्य) (बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एस.के.सी.-134 : संस्कृत व्याकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड अनिवार्य है। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क $3\times15=45$

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए :
   (i) अकथितं च
   (ii) सह सुपा
   (iii) इको यणचि
   (iv) समाहारः स्वरितः
   (v) हलोऽनन्तराः संयोगः
   (vi) मोऽनुस्वारः

खण्ड—ख 3×10=30

2. निम्नलिखित पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिए : 10

   (i) मध्वरिः

   (ii) विष्णूदयः

3. अक्, हल्, शर्, यम् तथा झष् प्रत्याहारों में आने वाले वर्णों को लिखिए। 10

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखाङ्कित पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्ति लिखिए : 10

   (i) तण्डुलान् ओदनं पचति।

   (ii) प्रजाभ्यः स्वस्ति।

   (iii) मोक्षे इच्छा अस्ति।

   (iv) यजमानः विप्राय गां ददाति।

   (v) अश्वात् बालकः पतति।

खण्ड—ग 5×5=25

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर दीजिए :

5. 'इत्' अथवा 'संहिता' संज्ञा की सूत्र एवं वृत्तिपूर्वक व्याख्या कीजिए।

6. 'सुमद्रम्' तथा 'सक्षत्रम्' दोनों पदों का लौकिक और अलौकिक-विग्रह लिखते हुए सूत्रोल्लेखपूर्वक रूप-सिद्धि कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

   (i) अव्ययीभाव

   (ii) तत्पुरुष

   (iii) बहुव्रीहि

8. 'नीलोत्पलम्' की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूप-सिद्धि कीजिए।

9. 'कर्तृरीप्सिततम् कर्म' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

10. 'यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा' की वृत्तिपूर्वक व्याख्या कीजिए।

× × × × ×